

---

Sitaya Kritam Agni Stotram or Vahn्या Ashtakam

सीताया कृतं अग्निस्तोत्रं अथवा वह्न्यष्टकम्

Document Information

---

Text title : Sitaya Kritam Agni Stotram or Vahn्या Ashtakam

File name : sItAyAkRRitaMagnistotraM.itx

Category : deities\_misc, aShTaka, stotra

Location : doc\_deities\_misc

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : from Kurmapurana, kUrmapurANe uttarabhAge 34/116-124

Latest update : August 13, 2022

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

August 13, 2022

*sanskritdocuments.org*

---

सीताया कृतं अग्निस्तोत्रं अथवा वह्न्यष्टकम्



सीता उवाच -

उपतस्थे महायोगं सर्वदोषविनाशनम् ।  
कृताञ्जली रामपत्नी साक्षात्पतिमिवाच्युतम् ॥ १ ॥

नमस्यामि महायोगं कृतान्तं गहनं परम् ।  
दाहकं सर्वभूतानामीशानं कालरूपिणम् ॥ २ ॥

नमस्ये पावकं देवं शाश्वतं विश्वतोमुखम् ।  
योगिनं कृत्तिवसनं भूतेशं परमम्पदम् ॥ ३ ॥

आत्मानं दीप्तवपुषं सर्वभूतहृदि स्थितम् ।  
तं प्रपद्ये जगन्मूर्तिं प्रभवं सर्वतेजसाम् ।  
महायोगेश्वरं वह्निमादित्यं परमेष्ठिनम् ॥ ४ ॥

प्रपद्ये शरणं रुद्रं महाग्रासं त्रिशूलिनम् ।  
कालाग्निं योगिनामीशं भोगमोक्षफलप्रदम् ॥ ५ ॥

प्रपद्ये त्वां विरूपाक्षं भूर्भुवःस्वःस्वरूपिणम् ।  
हिरण्यमये गृहे गुप्तं महान्तममितौजसम् ॥ ६ ॥

वैश्वानरं प्रपद्येऽहं सर्वभूतेष्ववस्थितम् ।  
हव्यकव्यवहं देवं प्रपद्ये वह्निमीश्वरम् ॥ ७ ॥

प्रपद्ये तत्परं तत्त्वं वरेण्यं सवितुः शिवम् ।  
भार्गवाग्निपरं ज्योतिः रक्ष मां हव्यवाहन ॥ ८ ॥


इति वह्न्यष्टकं जप्त्वा रामपत्नी यशस्विनी ।  
ध्यायन्ती मनसा तस्थौ राममुन्मीलितेक्षणा ॥ ९ ॥

इति कूर्मपुराणे पूर्वभागे चतुस्त्रिंशाध्यायान्तर्गतं  
सीताया कृतं अग्निस्तोत्रं अथवा वह्न्यष्टकं समाप्तम् ।


कूर्मपुराणे उत्तरभागे ३४/११६-१२४

Proofread by PSA Easwaran

---

——  
*Sitaya Kritam Agni Stotram or Vahn्या Ashtakam*

pdf was typeset on August 13, 2022

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

